(i) Printed Pages: 4 Roll No. .....

(ii) Questions : 8 Sub. Code : 0 1 1 2

Exam. Code : 0 0 0 2

B.A./B.Sc. (General) 2nd Semester

(2042)

SANSKRIT (Elective)

Paper : Katha, Niti Avem Vyakaran

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :— (1) सुन्दर, संक्षिप्त एवं सार गर्भित लिखें।

(2) उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

(3) प्रश्नों को क्रमशः हल करने का प्रयत्न करें।

1. निम्न गद्यांशों में से **एक** का सप्रसंग अनुवाद करें :

(क) अथ याक्ते पण्डिताः दिशावलोकनं कुर्वन्ति तावत्कश्चिच दुष्ट्रो दृष्टः। तैश्चोक्तम् - "एतित्किम्" - ? तावत् तृतीयेन पुस्तकमुदघाटयोक्तम् - "धर्मस्य त्वरिता गतिः" तन्नूनमेष, धर्मस्तावत्।' चतुर्थेनोक्तम् -' इष्टं धर्मेण योजयेत्।' तद्बान्धवोऽयमस्माकं धर्मेण युज्यताम्।

(ख) धीवरैरपि प्रभाते आगत्य जघन्य-मध्ययौत्तमजलचराः मत्स्य-कूर्म-मण्डूककर्कटादयो गृहीताः, तावपि शतबुद्धि-सहस्त्रबुद्धी सभार्यो पलायमानौ चिरमात्मानं गतिविशेष विज्ञानैः कुटिलचारेण रक्षन्तौ जाले निपटितौ व्यापदितौ च।

(ग) कस्मिश्चिदधिष्ठाने उद्धतो नाम गर्दभः प्रतिवसति स्म। स सदैव रजकगृहे भारोद्वहनं कृत्वा रात्रौ स्वेच्छया पर्यटति। ततः प्रत्यूषे बन्धन भयात्स्वयमेव रजकगृहमायाति रजकोऽपि ततस्तं बन्धनेन नियुनक्तिं।

1×5=5

2. निम्न श्लोकों में से **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) सुबुद्धयोऽपि विनश्यन्ति, दुष्टदैवेन नाशिता:।
स्वल्पधीरपि तस्मिस्तु कुले नन्दति सन्ततम्।।

(ख) न तत्स्वर्गेऽपि सौख्यं स्याद्दिव्यं-स्पर्शेनशोभने।
कुस्थानेऽपि भवेत्पुसां जन्मनो यत्र संभव:।।

(ग) सारमेयस्य चाऽश्वस्थ रासभस्य विशेषत:।
मुहूतोत्परतो न स्पात्प्रहारजनिता व्यथा।

(घ) यत्र स्त्री, यत्र कितवो बालो यत्र प्रशासिता।
तदगृहं क्षयमायाति, भार्गवो हीदमब्रवीत्।। 2×5=10

3. 'लोक-व्यवहार-ज्ञानशून्य-मूर्ख पण्डित चतुष्टयकथा' अथवा गीतापरायणरासभ-शृगाल कथा में से एक कथा का सार लिखें। 1×5=5

4. निम्न श्लोकों में से **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचै:,
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्तिमध्या:।
विघ्नै: पुन: पुनरपि प्रतिहन्यमाना:
प्रारभ्य चौत्तमजना न परिव्यजन्ति।।

(ख) कुसुमस्तबकस्येव द्वयी वृत्तिर्मनस्विन:।
मूर्ध्नि वा सर्वलोकस्य शीर्यते वन एव वा।।

(ग) तानीन्द्रियाण्यविकलानि तदेव कर्म,
या बुद्धिरप्रतिहता वचनं तदेव।
अर्थोष्मणा विरहित: पुरुष: स एव,
त्वन्य: क्षणेन भवतीति विचित्रमेतत्।।

(घ) आज्ञा कीर्तिः पालनं ब्राह्मणानाम्
दानं भोगो मित्रसंरक्षणं च।
येषामेते षड्गुणा न प्रवृत्ताः,
कोऽर्थस्तेषां पार्थिवोपाश्रयेण।। 2×5=10

5. निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) किं जीर्णं तृणमत्ति मानमहतामग्रेसरः केसरी ?

(ख) न खलु वयस्तेजसो हेतुः।

(ग) वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा। 1×5=5

6. निम्न शब्दों में से **दस** शब्दों को संस्कृत में लिखो :

ऊँट, गधा, गीदड़, गैंडा, छिपकली, नेवला, बकरा, हाथी, हिरन, कबूतर, आम, नारियल, चम्पा, कमल, रात की रानी। 10×1=10

7. (क) निम्न अव्ययों में से **पांच** अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग करें :

कथम्, श्वः, सद्यः, पृष्ठतः, वामतः, नीचैः, बहिः, पुरतः, उच्चैः, अन्तः। 5×1=5

(ख) निम्न संख्यावाची शब्दों में से **पांच** को संस्कृतभाषा में लिखें :

56, 63, 71, 74, 78, 80, 84, 90, 93, 97 5×1=5

(ग) सभी राशि अथवा दिशाओं के नाम लिखिए। 5

(घ) निम्न शब्दों में से **दो** शब्दों के सम्पूर्ण विभक्ति रूप लिखें :

गुरु, भवत्, पितृ, अस्मद्। 2×5=10

(ङ) निम्न धातुओं में से **दो** धातुओं के निर्दिष्ट लकारों के रूप लिखें :

√व्यज् (लोट लकार), √नी (लङ्ग लकार), √लिख् (लट् लकार), √भू (लृट लकार)। 2×5=10

8. निम्नलिखित में से **पांच** वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद करें :

(क) राम वन में रहता है।

(ख) हिमालय से गंगा निकलती है।

(ग) विद्यालय के चारों ओर घर है।

(घ) वह आँख से काना है।

(ङ) शिव को नमस्कार है।

(च) वह धन चाहता है।

(छ) नगर से बाहर एक तालाब है।

(ज) सत्य की विजय होती है।

(झ) राजा ब्राह्मण को गाय देता है।

(ञ) शोर मत करो। $5 \times 2 = 10$